सोमवार, 18 मई, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

कोहली ने 35 साल की उम्र के बाद तीसरी बार किया ये कारनामा

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

हिंदी में रिलीज हुई डरावनी फिल्म 'पेची'

Page-05

महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए आरोपों का मामला पिछले कुछ वर्षों से चर्चा में है। यह मुद्दा खेल प्रशासन और खिलाड़ियों की सुरक्षा से सीधे जुड़ा हुआ है। वर्तमान में मामला अदालत में लंबित है और गवाही की प्रक्रिया जारी है।

भारत-स्वीडन संबंधों को नई मजबूती,
पीएम मोदी को मिला सर्वोच्च सम्मान

- **पीएम मोदी को स्वीडन का 'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार' सम्मान मिला।**
- **यह प्रधानमंत्री मोदी का 31वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है, जिसे स्वीडन का सर्वोच्च राजकीय सम्मान माना जाता है।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वीडन के प्रतिष्ठित सम्मान 'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान भारत और स्वीडन के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रदान किया गया। यह प्रधानमंत्री मोदी को मिला 31वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। स्वीडन का यह पुरस्कार किसी भी विदेशी सरकार प्रमुख को दिए जाने वाले सर्वोच्च सम्मानों में गिना जाता है। 'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार' की स्थापना वर्ष 1748 में की गई थी। स्वीडन की आधिकारिक जानकारी के अनुसार, यह सम्मान उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने स्वीडन या स्वीडिश हितों के लिए विशेष योगदान दिया हो, सार्वजनिक जीवन में उत्कृष्ट कार्य किए हों या महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया हो।प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय दौरे पर रविवार को स्वीडन पहुंचे। गुटेनबर्ग हवाई अड्डे पर स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय सहयोग, व्यापार, तकनीक, हरित ऊर्जा और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा भी हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पोस्ट में जानकारी देते हुए बताया कि स्वीडन की क्राउन प्रिंसेस विक्टोरिया ऑफ स्वीडन ने प्रधानमंत्री मोदी को 'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार, डिग्री कमांडर ग्रैंड क्रॉस' सम्मान प्रदान किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान भारत-स्वीडन संबंधों को नई ऊंचाई देने और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना के रूप में दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस सम्मान को भारत और स्वीडन के ऐतिहासिक संबंधों तथा दोनों देशों के लोगों के बीच मित्रता को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास, सहयोग और सांस्कृतिक जुड़ाव का प्रतीक है। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के नेताओं ने गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर को भी विशेष रूप से याद किया। प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने क्राउन प्रिंसेस विक्टोरिया की मौजूदगी में विशेष उपहारों का आदान-प्रदान किया, जो भारत और स्वीडन के सांस्कृतिक और बौद्धिक संबंधों को दर्शाते हैं।

UAE के बराकाह न्यूक्लियर प्लांट पर ड्रोन हमला

संयुक्त अरब अमीरात यानी संयुक्त अरब अमीरात के बराकाह न्यूक्लियर पावर प्लांट पर ड्रोन हमला होने से पश्चिम एशिया में तनाव फिर बढ़ गया है। इस हमले में प्लांट के बाहर लगे एक बिजली जनरेटर में आग लग गई। हालांकि अधिकारियों के अनुसार किसी तरह का रेडियोएक्टिव रिसाव नहीं हुआ और न ही कोई व्यक्ति घायल हुआ है। अबू धाबी प्रशासन ने बताया कि हमले की जिम्मेदारी अब तक किसी संगठन या देश ने नहीं ली है। बावजूद इसके, इस घटना के पीछे ईरान का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है। दरअसल, अमेरिका के साथ जारी तनाव और संघर्ष के बीच ईरान लगातार UAE को चेतावनी देता रहा है। ईरान का आरोप है कि युद्ध के दौरान UAE ने इजरायल के आयरन डोम मिसाइल रक्षा प्रणाली और सैनिकों को अपने यहां ठहरने की अनुमति दी थी। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब अमेरिका और ईरान के बीच हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। सीजफायर को लेकर बातचीत में कोई ठोस प्रगति नहीं हो पाई है। इसी बीच अमेरिका लगातार ईरान के बंदरगाहों पर दबाव बढ़ा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी संकेत दिए हैं कि युद्ध दोबारा भड़क सकता है।

रेखा गुप्ता ने महिलाओं को लेकर बड़ा ऐलान किया

दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी में महिलाओं की अगुवाई वाले स्टार्टअप और स्वयं सहायता समूहों (SHG) को 10 करोड़ रुपये तक का बिना गारंटी का कर्ज उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं द्वारा बनाए गए स्वदेशी उत्पादों को बड़े बाजार तक पहुंचाने के लिए शहर के मॉल और बड़े शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में भी विशेष मंच उपलब्ध कराए जाएंगे। सीएम रेखा गुप्ता ने बयान में कहा, 'राजधानी की महिलाओं को आत्मनिर्भर, उद्यमी और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए व्यापक स्तर पर काम किया जा रहा है। महिला स्वयं सहायता समूहों और स्टार्टअप के लिए 10 करोड़ रुपये तक के बिना किसी गारंटी के ऋण की व्यवस्था की गई है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे कर्ज के लिए दिल्ली सरकार स्वयं गारंटी देगी। उन्होंने शनिवार को रोहिणी में आयोजित दो दिवसीय 'मेगा स्वयं सहायता समूह (SHG) मेला-2026' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार 'वोकल फॉर लोकल', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'एक जिला, एक उत्पाद' की अवधारणा को बढ़ावा दे रहे हैं। सीएम ने कहा कि एसएचजी मेला महिलाओं द्वारा तैयार स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करने और उन्हें व्यापक बाजार से जोड़ने का एक प्रयास है। इस मेले में करीब 24 स्वयं सहायता समूहों ने हिस्सा लिया। मेले में हस्तशिल्प, क्रोशिया कार्य, खादी, घरेलू उत्पाद, खाद्य सामग्री और अन्य हस्तनिर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन और बिक्री की गई।

यूडीएफ सरकार का गठन तय,
कांग्रेस के 11 मंत्री होंगे शामिल

केरल में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के नेतृत्व वाली नई सरकार कल शपथ लेगी। कांग्रेस नेता वीडी सतीशन राज्य के नए मुख्यमंत्री बनेंगे। सतीशन ने प्रस्तावित 21 सदस्यीय मंत्रिमंडल तैयार कर लिया है। इसमें पांच मंत्री आईयूएमएल से होंगे। तीन महिलाएं भी शामिल की गई हैं। सतीशन ने रविवार को राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर से मुलाकात कर मंत्रियों की सूची सौंपी। इन मंत्रियों में रमेश चेन्निथला, केरल प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) प्रमुख सनी जोसेफ और के मुरलीधरन शामिल हैं। सतीशन ने कहा कि तिरुवंचूर राधाकृष्णन विधानसभा अध्यक्ष होंगे और शनिमोल उस्मान उपाध्यक्ष होंगी। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) केरल कांग्रेस के पीजे जोसेफ होंगे। यूडीएफ की सरकार सोमवार को तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में शपथ लेगी। कांग्रेस नेता वीडी सतीशन ने हाल के विधानसभा चुनावों में यूडीएफ गठबंधन को 10 साल बाद सत्ता में वापसी दिलाई। उन्होंने कहा, 60 साल बाद यूडीएफ का पूरा मंत्रिमंडल कल सुबह 10 बजे शपथ लेगा। आज हमने 20 मंत्रियों की सूची राज्यपाल को सौंपी है। मेरे साथ 21 मंत्री शपथ लेंगे। उन्होंने आगे कहा, हमने गठबंधन सहयोगियों से चर्चा की। पार्टी के भीतर सभी कांग्रेस नेताओं से बातचीत की और हमें यह कहने में खुशी हो रही है कि 24 घंटे के भीतर पूरी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। केरल के इतिहास में सबसे तेज प्रक्रिया है। चुनाव के बाद भी टीम यूडीएफ, टीम यूडीएफ ही है। नेता एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। सतीशन ने कहा कि कांग्रेस के 11 मंत्री होंगे। उन्होंने कहा, हमारे पास 63 विधायक हैं। कुछ अन्य से अधिक योग्य हैं। लेकिन दुर्भाग्य से हमें सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन तथा महिलाओं और दलित प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखना पड़ा।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2-3)	फुल पेज (कवर 4- अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

सुप्रीम कोर्ट में बढ़ेंगे जज,
केंद्र सरकार ने जारी किया नया अध्यादेश

देश की न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी और तेज बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों के बढ़ते बोझ को कम करने के लिए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी एक नया अध्यादेश जारी किया है। इस अध्यादेश को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल चुकी है।नए अध्यादेश के लागू होने के बाद सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 कर दी गई है। इस संख्या में भारत के मुख्य न्यायाधीश भी शामिल हैं। लंबे समय से अदालतों में बढ़ते लंबित मामलों को देखते हुए न्यायपालिका और कानूनी विशेषज्ञ जजों की संख्या बढ़ाने की मांग कर रहे थे। माना जा रहा है कि इस फैसले से न्यायिक प्रक्रिया में तेजी आएगी और लोगों को समय पर न्याय मिल सकेगा।पिछले कुछ वर्षों में सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या लगातार बढ़ी है। कई महत्वपूर्ण संवैधानिक और जनहित से जुड़े मामलों की सुनवाई में देरी भी चिंता का विषय बनी हुई थी। ऐसे में चार नए पदों की स्वीकृति मिलने से बड़ी संवैधानिक पीठों का गठन अधिक आसानी से किया जा सकेगा। इसके साथ ही नियमित मामलों की सुनवाई की गति भी तेज होने की उम्मीद है। केंद्र सरकार और कानून मंत्रालय इस पूरी प्रक्रिया को जल्द पूरा करने की तैयारी में जुट गए हैं, ताकि न्यायिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

पीएम मोदी के नीदरलैंड दौरे में बड़ा फैसला रक्षा और टेक्नोलॉजी समेत 17 समझौते

पांच देशों के दौरे के दूसरे चरण में पीएम मोदी नीदरलैंड पहुंचे। यहां उन्होंने कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। हालांकि आइये जानते हैं कि पीएम मोदी के नीदरलैंड दौरे से भारत को क्या-क्या मिला?

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

दुनिया के कई हिस्सों में चल रहे युद्ध और तनाव भरे माहौल में भारत और नीदरलैंड ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। पीएम मोदी पांच देशों के दौरे पर हैं और इस बीच वह नीदरलैंड भी पहुंचे। यहां पीएम मोदी ने अपने समकक्ष रॉब जेटेन से मुलाकात की। इस दौरान रक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए 17 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। शनिवार शाम को हुई बैठक के दौरान दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने पश्चिम एशिया की स्थिति, विशेष रूप से क्षेत्र और व्यापक विश्व पर इसके गंभीर प्रभावों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। भारत और नीदरलैंड ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा तथा सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष, एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग सहित महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियों में संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक "रणनीतिक साझेदारी रूपरेखा" की शुरुआत की। दोनों नेताओं ने "हरित हाइड्रोजन के विकास पर भारत-नीदरलैंड रूपरेखा" की भी शुरुआत की। पीएम मोदी और रॉब जेटेन ने रक्षा उपकरणों, रक्षा प्रणालियों, पुर्जों और अन्य प्रमुख क्षमताओं के संयुक्त निर्माण को सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और संयुक्त उद्यमों की स्थापना के माध्यम से एक रक्षा औद्योगिक रूपरेखा स्थापित करने की संभावनाओं का पता लगाने पर भी सहमति व्यक्त की। यूरोप में भारत के सबसे बड़े व्यापारिक गंतव्यों में से एक नीदरलैंड के साथ द्विपक्षीय व्यापार 2024-25 में 27.8 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। यह यूरोपीय देश 55.6 अरब अमेरिकी डॉलर के कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के साथ भारत का चौथा सबसे बड़ा निवेशक है। विश्व स्तरीय लॉजिस्टिक नेटवर्क वाला नीदरलैंड मुख्य रूप से रॉटरडैम बंदरगाह के माध्यम से भारतीय निर्यातकों के लिए यूरोप का एक रणनीतिक प्रवेश द्वार भी है। वार्ता में दोनों पक्षों ने विज्ञान और नवाचार, सतत विकास, स्वास्थ्य, कृषि, जल प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा परिवर्तन, समुद्री विकास और लोगों के बीच आपसी संबंध में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की। एक संयुक्त बयान के अनुसार, पीएम मोदी और रॉब जेटेन ने होर्मुज स्ट्रेट से होकर स्वतंत्र नौवहन और वैश्विक वाणिज्यिक जहाजों के आवागमन का आह्वान किया। उन्होंने किसी भी तरह के "प्रतिबंधात्मक" कदमों का विरोध किया और इस संबंध में जारी पहलों के प्रति अपना समर्थन भी दोहराया। दोनों नेताओं ने यूक्रेन की स्थिति पर भी चर्चा की। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच हुए समझौतों से सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, स्वास्थ्य, जल, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि और संस्कृति सहित अन्य क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

'ऑपरेशन क्लीन': 1,771 अपराधियों, 190 फरार आरोपि गिरफ्तार

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

ओडिशा पुलिस ने 12 से 16 मई तक चले 'ऑपरेशन क्लीन' में राज्यभर में बड़ी कार्रवाई करते हुए 1,771 अपराधियों और 190 फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया। अभियान के दौरान 3,026 किलो गांजा, 20 अवैध हथियार, 19 जिंदा कारतूस और 179 गाड़ियां जब्त की गईं। अवैध खनन, हथियार तस्करी और ड्रग नेटवर्क पर पुलिस ने ताबड़तोड़ छापेमारी की। वहीं 966 नशे में वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई कर 1.89 करोड़ रुपये का जुर्माना भी वसूला गया। ओडिशा के पुलिस महानिदेशक (DGP) योगेश बहादुर खुरानिया के कड़े निर्देश पर राज्य के सभी पुलिस रेंज में एक विशेष अभियान चलाया गया, जो 12 मई से 16 मई तक चला। इस पांच दिन के अभियान में जिला पुलिस अधीक्षकों और पुलिस कमिश्नरों ने खुद कमान संभाली। इस एक्शन का मुख्य मकसद पेंडिंग गैर-जमानती वारंट (NBWs) को तामील करना, फरार आरोपियों को दबोचना और नशे के काले कारोबार की कमर तोड़ना था। पुलिस ने नशे के खिलाफ जो जाल बिछाया, उसमें बड़े-बड़े तस्कर फंस गए। इस पूरे अभियान में 3,026 किलो और 702 ग्राम गांजा जब्त किया गया है। इसमें सबसे बड़ी कामयाबी साउथ-वेस्टर्न रेंज को मिली, जहां अकेले 1,943 किलो गांजा पकड़ा गया। इसी बीच, ओडिशा पुलिस ने सड़कों पर मौत बनकर दौड़ने वाले शराबी ड्राइवरों पर भी शिकंजा कसा। कुल 966 नशेड़ी चालकों को पकड़कर उनकी गाड़ियां सीज कर दी गईं। ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाने वालों से पुलिस ने कुल 1.89 करोड़ रुपये का भारी-भरकम जुर्माना वसूला है, जिसमें वेस्टर्न रेंज ने सबसे ज्यादा 53.38 लाख रुपये वसूले।

NEET 2026 पेपर लीक सिस्टम के अंदर बैठे लोगों ने खोले राज

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

देश के लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ी नीट यूजी 2026 परीक्षा में एक बार फिर वही हुआ जिसका डर था-पेपर लीक। इस हाई-प्रोफाइल मामले में अब तक नौ गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के हाथ जैसे-जैसे इस नेटवर्क के सिंडिकेट तक पहुंच रहे हैं, एक बेहद चौंकाने वाला सच सामने आ रहा है। सच यह कि परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा में बाहर से किसी ने सेंध नहीं लगाई, बल्कि सिस्टम के रखवालों ने ही अंदर से दरवाजे खोल दिए थे। सीबीआई की तफ्तीश के केंद्र में दो मुख्य चेहरे हैं, मनीषा गुरुनाथ मंधारे और पीवी कुलकर्णी। मनीषा पुणे की एक सीनियर बॉटनी लेक्चरर हैं और उन्हें इस पूरी साजिश का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने उन्हें एक एक्सपर्ट के तौर पर नियुक्त किया था। इसी आधिकारिक हैसियत की वजह से प्रश्नपत्रों तक उनकी सीधी पहुंच थी। वहीं, पुणे से गिरफ्तार लातूर के रिटायर्ड केमिस्ट्री प्रोफेसर पीवी कुलकर्णी भी लंबे समय से एनटीए की परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े हुए थे। इन दोनों ने मिलकर सिस्टम के इसी भरोसे का फायदा उठाया और पेपर को लीक कर दिया। सीबीआई के अनुसार, यह खेल अप्रैल के आखिरी हफ्ते में ही शुरू हो चुका था। कुलकर्णी ने अपनी सहयोगी मनीषा वाघमारे के साथ मिलकर ऐसे छात्रों को जोड़ना शुरू किया जो इसके लिए मोटी रकम दे सकें। अब आप सोच रहे होंगे यह दूसरी मनीषा कौन है? मनीषा वाघमारे पुणे में एक ब्यूटी सैलून चलाती हैं। इसके बाद पुणे में कुलकर्णी के घर पर चुनिंदा छात्रों के लिए एक 'विशेष कोचिंग क्लास' शुरू हुई। यह कोई साधारण क्लास नहीं थी।

यूएई के बाराकाह परमाणु संयंत्र पर ड्रोन हमला

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

संयुक्त अरब अमीरात के बाराकाह परमाणु ऊर्जा संयंत्र को रविवार को एक ड्रोन हमले में निशाना बनाया गया। इस हमले के कारण संयंत्र की बाहरी सीमा पर स्थित एक इलेक्ट्रिकल जनरेटर में आग लग गई। इस घटना ने ईरान युद्ध में चल रहे अस्थिर संघर्ष विराम को एक बार फिर खतरे में डाल दिया है। दक्षिण कोरिया की मदद से निर्मित 20 अरब डॉलर का बाराकह परमाणु ऊर्जा संयंत्र साल 2020 में चालू हुआ था। यह अरब प्रायद्वीप का पहला और एकमात्र परमाणु ऊर्जा संयंत्र है। यह संयंत्र यूएई की कुल बिजली जरूरतों का एक-चौथाई हिस्सा पूरा करने की क्षमता रखता है। इसके साथ ही यह अरब दुनिया का पहला वाणिज्यिक परमाणु ऊर्जा संयंत्र भी है। यूएई के परमाणु नियामक ने कहा कि इस आग से संयंत्र की सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ा है। नियामक संस्था ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि सभी इकाइयां हमेशा की तरह सामान्य रूप से काम कर रही हैं। यूएई के आधिकारिक बयान में इस हमले के लिए सीधे तौर पर किसी भी देश या संगठन को जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है।

इसके अलावा, वियना स्थित संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने भी अभी तक इस मामले पर कोई त्वरित टिप्पणी नहीं की है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब होर्मुज पर ईरान का सख्त नियंत्रण बना हुआ है। यह जलमार्ग वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। युद्ध से पहले दुनिया का एक-चौथाई तेल और प्राकृतिक गैस इसी रास्ते से होकर गुजरता था, जो अब पूरी तरह बाधित है। इसके जवाब में, अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी जारी रखी है। दूसरी ओर, संघर्ष विराम को स्थायी बनाने के लिए चल रही बातचीत में कोई प्रगति नहीं हो पा रही है।

यूक्रेन का रूस पर बड़ा ड्रोन हमला मॉस्को के आसपास चार लोगों की मौत

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच रविवार को यूक्रेन ने रूस पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमला किया। इस हमले में मॉस्को के आसपास कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। इसे युद्ध शुरू होने के बाद रूस पर किए गए सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक माना जा रहा है। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, मॉस्को के उत्तर-पश्चिम में स्थित खिमकी शहर में एक ड्रोन रिहायशी मकान से टकरा गया, जिससे एक महिला की मौत हो गई। वहीं राजधानी से करीब 10 किलोमीटर दूर पोगोरेलकी गांव में दो लोगों की जान चली गई। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, हमले में कई बहुमंजिला इमारतों और अहम ढांचों को नुकसान पहुंचा है। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि शहर के ऑयल रिफाइनरी इलाके के पास हुए हमले में कम से कम 12 लोग घायल हुए हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि रिफाइनरी की मुख्य तकनीकी व्यवस्था को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसकी एयर डिफेंस प्रणाली ने रातभर में 556 ड्रोन नष्ट कर दिए। वहीं पिछले 24 घंटों में 1000 से अधिक ड्रोन को मार गिराने या जाम करने का दावा भी किया गया है। समाचार एजेंसी TASS के अनुसार, मॉस्को की ओर बढ़ रहे 81 ड्रोन को भी रूसी सुरक्षा बलों ने रास्ते में ही रोक दिया। रूस के सबसे बड़े एयरपोर्ट शेरमेत्येवो ने बताया कि ड्रोन का मलबा एयरपोर्ट परिसर में गिरा, लेकिन इससे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। उधर यूक्रेन ने दावा किया कि रूस ने भी रातभर में 287 ड्रोन से हमला किया, जिनमें से अधिकांश को मार गिराया गया। यूक्रेन की आपातकालीन सेवाओं के अनुसार, इनीप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र में कई रिहायशी इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं और कम से कम 8 लोग घायल हुए हैं।

संपादक की कलम से

शिक्षा किसी भी देश के विकास की आधारशिला होती है। यह केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनाने की प्रक्रिया भी है। लेकिन हाल के वर्षों में शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। डिग्री प्राप्त करना जहां आसान होता जा रहा है, वहीं वास्तविक ज्ञान और कौशल में कमी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। आज शिक्षा का उद्देश्य सीखने से ज्यादा अंक (marks) प्राप्त करना बन गया है। छात्र परीक्षा में अच्छे नंबर लाने के लिए रटने की प्रवृत्ति अपनाते हैं, जिससे उनकी समझ और विश्लेषण क्षमता प्रभावित होती है। स्कूल और कॉलेज भी अक्सर परिणामों के दबाव में केवल परीक्षा-केन्द्रित शिक्षा पर जोर देते हैं, जिससे रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच (critical thinking) पीछे छूट जाती है। शिक्षकों की भूमिका इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन कई स्थानों पर शिक्षकों की कमी, प्रशिक्षण की कमी और संसाधनों का अभाव शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित कर रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या और अधिक गंभीर है, जहां बुनियादी सुविधाएं भी पर्याप्त नहीं हैं। इसके अलावा, शिक्षा का अत्यधिक व्यावसायीकरण (commercialization) भी एक बड़ी समस्या बन गया है। निजी स्कूल और कोचिंग संस्थान महंगी फीस वसूलते हैं, जिससे शिक्षा एक सेवा की बजाय व्यापार बनती जा रही है। इससे समाज में असमानता बढ़ती है, क्योंकि हर व्यक्ति गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का खर्च नहीं उठा सकता।डिजिटल शिक्षा के बढ़ते प्रभाव ने जहां एक ओर नई संभावनाएं खोली हैं, वहीं इसके अपने नुकसान भी हैं। ऑनलाइन पढ़ाई में अनुशासन की कमी, ध्यान भटकना और तकनीकी समस्याएं सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। इस स्थिति को सुधारने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, शिक्षा प्रणाली में सुधार लाते हुए इसे अधिक व्यावहारिक और कौशल-आधारित बनाना होगा। छात्रों को केवल किताबों तक सीमित रखने की बजाय उन्हें वास्तविक जीवन की समस्याओं को समझने और समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। सरकार को शिक्षा के क्षेत्र में निवेश बढ़ाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो। शिक्षकों के प्रशिक्षण और उनकी कार्य स्थितियों में सुधार भी अत्यंत आवश्यक है। अंततः, शिक्षा का असली उद्देश्य एक सक्षम, संवेदनशील और जागरूक समाज का निर्माण करना है। यदि हम केवल अंकों और डिग्रियों तक सीमित रहेंगे, तो हम इस उद्देश्य से भटक जाएंगे। इसलिए समय की मांग है कि शिक्षा की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण कर सकें।

NEET पेपर लीक पर राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने NEET पेपर लीक मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर तीखा हमला बोला है।उन्होंने लगातार हो रहे पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने के बावजूद शिक्षा मंत्री को पद से न हटाने पर सवाल उठाए।राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि देश की शिक्षा व्यवस्था कमजोर हो चुकी है और लाखों छात्रों का भविष्य खतरे में पड़ गया है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पेपर लीक को लेकर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि बार-बार पेपर लीक होने के बावजूद वह धर्मेंद्र प्रधान को केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से क्यों नहीं हटा रहे हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने लिखा, 'नीट 2024: पेपर लीक हुआ। परीक्षा रद्द नहीं हुई। मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया। सीबीआई जांच बैठाई गई। एक समिति बनाई गई। नीट 2026: पेपर लीक हुआ। परीक्षा रद्द हुई। मंत्री ने अब भी इस्तीफा नहीं दिया। सीबीआई फिर जांच कर रही है। एक और समिति बनाई जाएगी।' राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने गड़बड़ियों के आरोपों के बीच तीन मई को हुई राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (स्नातक) रद्द कर दी थी। दोबारा परीक्षा 21 जून को होगी। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने #SackPradhan हैशटैग का इस्तेमाल करते हुए कहा, 'मोदी जी, देश आपसे कुछ सवाल पूछ रहा है - जवाब दीजिए। बार-बार पेपर लीक क्यों हो रहे हैं? बार-बार इस 'परीक्षा पे चर्चा' पर आप चुप क्यों हैं? बार-बार असफल हो रहे शिक्षा मंत्री को आप बर्खास्त क्यों नहीं कर रहे?' 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से बातचीत करते हैं। इसका मकसद छात्रों में आत्मविश्वास, सकारात्मकता और बेहतर मानसिक स्थिति को बढ़ावा देना है। शनिवार को भी गांधी ने मांग की थी कि प्रधानमंत्री तुरंत प्रधान को बर्खास्त करें या खुद जिम्मेदारी लें। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा-आरएसएस गठजोड़ ने भारत की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है और 22 लाख नीट अभ्यर्थियों की मेहनत बेकार हो गई है। वीडियो बयान में गांधी ने कहा, पूरा देश जानता है कि नीट से दो दिन पहले उसका प्रश्नपत्र व्हाट्सएप पर बांटा जा रहा था। धर्मेंद्र प्रधान जी कहते हैं कि उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है। संसदीय समिति ने सिफारिशें दी थीं, लेकिन उन्होंने यह कहकर उसे कूड़ेदान में डाल दिया कि समिति में विपक्ष के लोग थे और उसका कोई फायदा नहीं था। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, सच्चाई यह है कि आपने देश की जड़ को नुकसान पहुंचाया है। यह आरएसएस, भाजपा और उनके लोगों का गठजोड़ है, जिन्हें विश्वविद्यालयों, कुलपतियों और प्रोफेसरों के पदों पर बैठाया गया है, ताकि पैसे कमाए जा सकें। उन्होंने कहा कि कथित पेपर लीक में शामिल सभी लोगों को जेल भेजा जाना चाहिए। धान ने शुक्रवार को घोषणा की थी कि नीट-यूजी की दोबारा परीक्षा 21 जून को होगी। उन्होंने कहा कि इससे जुड़ी गड़बड़ियों को देखते हुए अगले साल से मेडिकल प्रवेश परीक्षा कंप्यूटर आधारित होगी।

टीएमसी दफ्तर के बाहर मिले आधार कार्डों से नया सियासी विवाद

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल की राजनीति में विधानसभा चुनाव 2026 के बाद माहौल पूरी तरह बदल चुका है। राज्य में पहली बार बीजेपी सत्ता में आई है। अब आधार कार्ड मिलने का नया मामला सामने आया है। कोलकाता के सॉल्ट लेक इलाके में स्थित टीएमसी पार्टी ऑफिस और आसपास के इलाके से मिले आधार कार्ड को लेकर नया बवाल शुरू हो गया है। दरअसल, बिधाननगर के सॉल्ट लेक में मौजूद टीएमसी कार्यालय में चुनाव से पहले बीजेपी कार्यकर्ताओं ने ताला लगा दिया था। आरोप था कि वहां संदिग्ध गतिविधियां चल रही थीं। अब जब ताला खोला गया तो अंदर से कई आधार कार्ड बरामद हुए। पुलिस मौके पर पहुंची और सभी कार्ड जब्त कर लिए। इसके बाद इलाके में चर्चा और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरामद आधार कार्ड उनका है। उनका दावा है कि उन्होंने आधार कार्ड से जुड़े काम के लिए पार्टी ऑफिस के पते को इस्तेमाल किया था। कई लोगों ने कहा कि आवेदन प्रक्रिया के दौरान डाक्यूमेंट्स वहीं जमा किए गए थे, इसलिए कार्ड वहां मौजूद थे। इसी बीच सॉल्ट लेक के BA-CA खेल मैदान के पास भी कुछ आधार कार्ड लावारिस हालत में पड़े मिले थे। सुबह टहलने निकले लोगों ने सबसे पहले इन्हें देखा और पुलिस को सूचना दी। चौंकाने वाली बात यह रही कि इन कार्ड्स पर उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र जैसे राज्यों के पते दर्ज थे। इसके बाद पुलिस ने सभी कार्ड कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अलग-अलग राज्यों के आधार कार्ड का इस तरह बंगाल में मिलना सामान्य बात नहीं है। फिलहाल यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि ये कार्ड यहां कैसे पहुंचे और क्या इनके पीछे कोई संगठित नेटवर्क काम कर रहा था या नहीं।

रजनीकांत ने विजय से ईर्ष्या होने की बात से इनकार किया

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

दिग्गज अभिनेता रजनीकांत ने रविवार को मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय से ईर्ष्या होने की बात से इनकार किया है। रजनीकांत ने स्पष्ट किया कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (DMK) के अध्यक्ष व पूर्व सीएम एमके स्टालिन के साथ उनकी हालिया मुलाकात पूरी तरह से मैत्रीपूर्ण थी। इसके पीछे कोई राजनीतिक मकसद नहीं था। रजनीकांत ने पोएस गार्डन स्थित अपने घर पर पत्रकारों द्वारा कुछ खबरों को लेकर पूछे गए सवालों पर स्पष्ट किया कि पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन के साथ उनकी मुलाकात विजय को मुख्यमंत्री बनने से रोकने या राजनीतिक दलों के विलय का प्रयास नहीं थी। तमिलगा वेत्री कषगम (TVK) के संस्थापक एवं मुख्यमंत्री विजय के प्रति किसी भी प्रकार की ईर्ष्या की बात को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि उनके व मुख्यमंत्री (विजय के) के बीच 25 साल का पीढ़ीगत अंतर है। उन्होंने विजय की कम उम्र में हासिल की गई प्रभावशाली उपलब्धियों की सराहना की, जो उनके अनुसार दिग्गज एमजीआर (एमजी रामचंद्रन) और एनटीआर (एन टी रामाराव) की उपलब्धियों से भी कहीं अधिक हैं। तमिल व तेलुगु सिनेमा के दो चहेते सितारे एमजीआर और एनटीआर क्रमशः तमिलनाडु और तत्कालीन अविभाजित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे थे। रजनीकांत ने कहा, 'मैंने विजय को बचपन से देखा है। अगर वह मुख्यमंत्री बन गए तो मुझे उनसे ईर्ष्या क्यों होगी? वह भी महज 52 साल की उम्र में, उन्होंने एमजीआर और एनटीआर से कहीं अधिक उपलब्धियां हासिल की हैं। मुझे जरा भी ईर्ष्या नहीं है।' इसके साथ ही रजनीकांत ने विजय को मुख्यमंत्री बनने की बधाई भी दी। सुपरस्टार रजनीकांत ने बातचीत के आखिर में यह भी साफ किया कि उन्होंने सिर्फ अपने खराब स्वास्थ्य के कारणों की वजह से राजनीति में कदम नहीं रखा। उन्होंने अपने प्रशंसकों को खुलकर सलाह दी कि वे अपनी मर्जी से किसी भी राजनीतिक दल का समर्थन करने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र हैं। इसके साथ ही उन्होंने तमिलनाडु की जनता से अपील की कि वे नए मुख्यमंत्री विजय को सरकार चलाने और खुद को साबित करने के लिए कम से कम दो साल का समय जरूर दें।

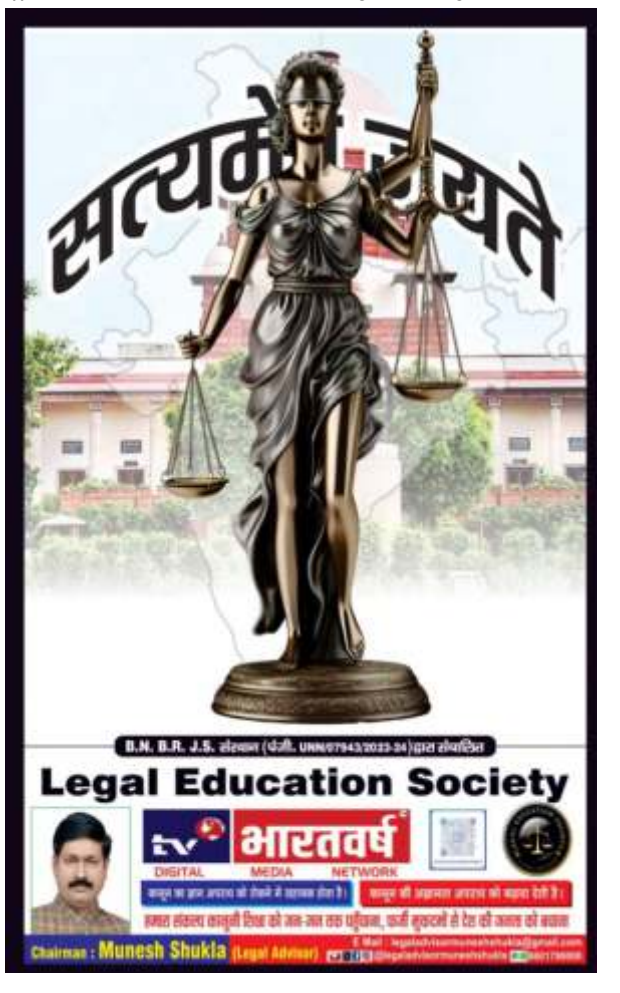

डिजिटल शिक्षा की लहर:
गांव से शहर तक बदलती पढ़ाई की दिशा

भारत में शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और इस परिवर्तन के पीछे सबसे बड़ा कारण डिजिटल तकनीक का तेजी से विस्तार है। पिछले कुछ वर्षों में ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म, स्मार्ट क्लासरूम, वर्चुअल लर्निंग और मोबाइल ऐप्स के माध्यम से पढ़ाई करना न केवल आसान हुआ है, बल्कि पहले की तुलना में अधिक सुलभ और लचीला भी बन गया है। खासतौर पर कोरोना महामारी के दौरान जब स्कूल और कॉलेज लंबे समय तक बंद रहे, तब डिजिटल लर्निंग ने शिक्षा व्यवस्था को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौर ने यह साबित कर दिया कि तकनीक के माध्यम से शिक्षा को किसी भी परिस्थिति में जारी रखा जा सकता है।आज देश के शहरी ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल माध्यमों का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। छात्र अब मोबाइल फोन, टैबलेट और लैपटॉप के जरिए घर बैठे ही पढ़ाई कर रहे हैं। ऑनलाइन क्लासेस, रिकॉर्डेड वीडियो लेक्चर, ई-बुक्स और डिजिटल नोट्स ने सीखने के तरीकों को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहां छात्रों को अच्छी शिक्षा के लिए बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, वहीं अब इंटरनेट के माध्यम से उन्हें वही सुविधाएं अपने गांव या छोटे शहर में ही उपलब्ध हो रही हैं। यह बदलाव विशेष रूप से उन छात्रों के लिए लाभकारी साबित हुआ है, जो आर्थिक या भौगोलिक कारणों से बेहतर शिक्षण संस्थानों तक नहीं पहुंच पाते थे।सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की गई हैं। विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म छात्रों को मुफ्त या सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण कंटेंट उपलब्ध करा रहे हैं। स्कूलों में स्मार्ट बोर्ड, प्रोजेक्टर और डिजिटल कंटेंट का उपयोग बढ़ रहा है। इसके साथ ही शिक्षकों को भी डिजिटल माध्यम से पढ़ाने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे तकनीक का बेहतर उपयोग कर सकें। इससे शिक्षण प्रक्रिया अधिक इंटरैक्टिव और प्रभावी बन रही है।हालांकि, इस तेजी से हो रहे बदलाव के साथ कई चुनौतियां भी सामने आई हैं। सबसे बड़ी समस्या डिजिटल डिवाइड यानी तकनीकी संसाधनों की असमान उपलब्धता है। देश के कई हिस्सों में आज भी ऐसे छात्र हैं, जिनके पास स्मार्टफोन, कंप्यूटर या स्थिर इंटरनेट कनेक्शन नहीं है। इससे वे डिजिटल शिक्षा का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। इसके अलावा, बिजली की अनियमित आपूर्ति और नेटवर्क की समस्या भी कई क्षेत्रों में बाधा बनती है।एक अन्य महत्वपूर्ण चुनौती स्वास्थ्य से जुड़ी है। लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठकर पढ़ाई करने से छात्रों में आंखों की कमजोरी, सिरदर्द, नींद की समस्या और मानसिक तनाव जैसी दिक्कतें बढ़ रही हैं। साथ ही, ऑनलाइन शिक्षा में अनुशासन बनाए रखना भी एक चुनौती है, क्योंकि घर का माहौल हमेशा पढ़ाई के अनुकूल नहीं होता।इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सरकार लगातार सुधार के प्रयास कर रही है। विभिन्न योजनाओं के तहत स्कूलों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों को डिजिटल ट्रेनिंग देकर उन्हें नई तकनीकों से परिचित कराया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी तकनीक आधारित शिक्षा को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है, जिससे शिक्षा को अधिक समावेशी, लचीला और प्रभावी बनाया जा सके।विशेषज्ञों का मानना है कि केवल डिजिटल या केवल पारंपरिक शिक्षा पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। दोनों का संतुलित मिश्रण ही सबसे बेहतर परिणाम दे सकता है। जहां डिजिटल शिक्षा ज्ञान को व्यापक और सुलभ बनाती है, वहीं पारंपरिक कक्षा शिक्षण छात्रों के सामाजिक और भावनात्मक विकास में मदद करता है।यदि तकनीक का सही और संतुलित उपयोग किया जाए, तो यह न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को सुधार सकता है, बल्कि देश के हर कोने तक ज्ञान पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आने वाले समय में डिजिटल शिक्षा भारत की शिक्षा प्रणाली का एक अभिन्न हिस्सा बनने जा रही है, जो भविष्य की पीढ़ियों को अधिक सक्षम और आत्मनिर्भर बनाएगी।

स्किल एजुकेशन का बढ़ता महत्व: नई पहल से रोजगार के खुलते रास्ते

Skill India

देश में शिक्षा का स्वरूप अब तेजी से बदल रहा है और इसे केवल डिग्री तक सीमित न रखकर कौशल विकास पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। बदलते समय और रोजगार की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह महसूस किया गया है कि केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि छात्रों के पास व्यावहारिक और तकनीकी कौशल होना भी बेहद जरूरी है। इसी दिशा में नई शिक्षा नीति के तहत कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं, जिनका उद्देश्य छात्रों को अधिक सक्षम और रोजगार के लिए तैयार बनाना है।नई शिक्षा व्यवस्था में इस बात पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है कि छात्र पढ़ाई के साथ-साथ ऐसे कौशल भी सीखें, जो उन्हें भविष्य में करियर बनाने में मदद करें। स्कूल और कॉलेज स्तर पर अब ऐसे कोर्स शुरू किए जा रहे हैं, जिनमें छात्रों को आईटी, डिजिटल मार्केटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डाटा एनालिसिस और अन्य व्यावसायिक कौशल सिखाए जाते हैं। इससे छात्रों को न केवल नई तकनीकों की जानकारी मिलती है, बल्कि वे इनका उपयोग भी सीखते हैं।इस बदलाव का सबसे बड़ा फायदा यह है कि छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद सीधे रोजगार के लिए तैयार हो सकते हैं। पहले जहां डिग्री हासिल करने के बाद भी छात्रों को नौकरी के लिए अलग से प्रशिक्षण लेना पड़ता था, वहीं अब शिक्षा के दौरान ही उन्हें आवश्यक स्किल्स सिखाए जा रहे हैं। इससे समय की बचत होती है और रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं।सरकार भी इस दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के तहत युवाओं को ट्रेनिंग और इंटर्नशिप के अवसर दिए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को उद्योगों के साथ जोड़ने की कोशिश की जा रही है, ताकि वे वास्तविक कार्यस्थल का अनुभव प्राप्त कर सकें।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु प्लेऑफ में जगह बनाने वाली पहली टीम बन गई

कोहली ने 35 साल की उम्र के बाद तीसरी बार किया ये कारनामा

इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन का 61वां लीग मुकाबला पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम के बीच में खेला जा रहा है, जिसमें टॉस हारने के बाद पहले आरसीबी पहले बल्लेबाजी कर रही है। इस मैच में विराट कोहली ने जैसे ही अपनी पारी का 16वां रन पूरा किया उसी के साथ वह इस आईपीएल सीजन में 500 रनों का आंकड़ा भी पूरा करने में कामयाब हो गए। विराट कोहली जो आईपीएल इतिहास में अभी भी सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पहले नंबर पर काबिज हैं उन्होंने इसी के साथ एक और बड़ा कारनामा किया है जिसमें वह महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर के अलावा फाफ डु प्लेसिस को भी पीछे छोड़ने में कामयाब हो गए। कोहली इस मैच में 58 रनों की पारी खेलने के बाद पवेलियन लौटे। विराट कोहली लगातार जिस तरह से मैदान पर अपने बल्ले का कमाल दिखा रहे हैं उससे उन्होंने उम्र को पूरी तरह से पीछे छोड़ दिया है। आईपीएल इतिहास में अब विराट कोहली 35 या उससे अधिक की उम्र में सबसे ज्यादा बार एक सीजन में 500 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं, जिसमें कोहली ने तीन बार ये कारनामा करने के साथ सचिन तेंदुलकर और फाफ डु प्लेसिस को पीछे छोड़ दिया है। सचिन और डु प्लेसिस ने 2-2 बार ये कारनामा किया था। कोहली ने साल 2024 के आईपीएल सीजन में जहां 741 रन बनाए थे तो वहीं साल 2025 के आईपीएल सीजन में कोहली के बल्ले से 657 रन देखने को मिले थी।

आखिर कौन हैं नए हेड कोच फ्रेडरिक सोयेज

हॉकी इंडिया ने भारतीय जूनियर पुरूष टीम हॉकी टीम के नए हेड कोच के नाम का ऐलान 14 मई को कर दिया जिसमें उन्होंने दो बार के ओलंपिक पदक विजेता पीआर श्रीजेश जो इस जिम्मेदारी को पहले संभाल रहे थे उनकी जगह पर फ्रांस के पूर्व खिलाड़ी फ्रेडरिक सोयेज को ये जिम्मेदारी सौंपी है। श्रीजेश का जूनियर हॉकी टीम के साथ हेड कोच का कार्यकाल करीब डेढ़ साल लंबा रहा था जिसमें उनका अनुबंध पिछले साल चेन्नई और मदुरै में हुए जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में खत्म हो गया था। इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया ने कांस्य पदक अपने नाम किया था। हॉकी इंडिया ने इसके बाद श्रीजेश के कार्यकाल को आगे नहीं बढ़ाया था, लेकिन उन्होंने फिर से हेड कोच बनने के लिए आवेदन किया था लेकिन इस बार उन्हें ये जिम्मेदारी नहीं मिली।

भारतीय जूनियर हॉकी टीम के नए हेड कोच बनाए गए फ्रेडरिक सोयेज को लेकर बात की जाए तो उनकी गिनती यूरोपीय हॉकी के बेहतरीन कोचों में की जाती है जिनको कोचिंग का 15 से अधिक का अनुभव हासिल है। सोयेज ने साल 1995 से लेकर 2010 तक फ्रांस के लिए इंटरनेशनल हॉकी में कुल 196 मुकाबले खेले और उसमें वह 195 गोल करने में कामयाब रहे।

इस सीजन दोनों गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड भारत में काफी सहज महसूस कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के इस अनुभवी गेंदबाज को अपने पुराने साथियों पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की कमी बिल्कुल नहीं खल रही, क्योंकि RCB में उन्हें भुवनेश्वर कुमार जैसे धुरंधर के साथ नई गेंद साझा करने का मौका मिल रहा है। पिछले सीजन से ही भुवनेश्वर और हेजलवुड की यह जोड़ी RCB के लिए बेहद प्रभावी साबित हो रही है। पिछले साल इस जोड़ी ने टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी और इस सीजन में भी 12 मैचों के बाद टीम को पॉइंट्स टेबल के शीर्ष स्थान पर पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभा रही है। धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ लीग के आखिरी मैच से पहले हेजलवुड ने अपनी इस नई जोड़ी की तुलना ऑस्ट्रेलिया की प्रसिद्ध कमिंस-स्टार्क जोड़ी से की।

हेजलवुड ने कहा, "ये थोड़ा वैसा ही है जैसा पैटी (कमिंस) और स्टार्सी (स्टार्क) के साथ ऑस्ट्रेलिया के लिए गेंदबाजी करना। भुवी ज्यादा पिच पर गेंद डालते हैं और स्विंग कराते हैं, जबकि मैं सीम मूवमेंट और बाउंस का इस्तेमाल करता हूं। अटैक में बैलेंस होना बहुत जरूरी है। पिछले साल और इस साल दोनों में हमारी जोड़ी अच्छी रही है।" उन्होंने आगे बताया, "सपाट विकेट पर अगर आप 2 विकेट लेकर सिर्फ 40 रन देते हो और बाकी गेंदबाज 50-60 रन लुटा रहे हों, तो वो मैच बहुत संतोष देने वाला होता है।" हेजलवुड ने कहा, "जब सब कुछ आपके पक्ष में हो, जैसे इस साल दिल्ली के खिलाफ हमारे साथ हुआ, तो गेंदबाजी करना आसान लगता है। लेकिन जब बल्लेबाज हावी हो रहे हों, पहला ओवर 20 रन पड़ जाए, फिर भी आप यॉर्कर या स्पीड बदलकर वापसी करते हो और अच्छे आंकड़े लेकर मैच खत्म करते हो, तो मुझे सबसे ज्यादा गर्व उन मैचों पर होता है।"

ऑस्ट्रेलिया में एक दिन की कमाई 40 हजार

विदेश में मिलता है मेहनत का सही मोल?

आजकल सोशल मीडिया पर विदेश में काम करने और वहां की कमाई को लेकर कई वीडियो वायरल होते रहते हैं.

इन्हीं में से एक वीडियो ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले एक भारतीय व्यक्ति ने अपनी कमाई के बारे में खुलकर बात की है.

इस वीडियो के सामने आने के बाद लोगों के बीच विदेश में काम करने को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है. इस वीडियो में रविंद्र नाम के एक व्यक्ति ने अपना एक्सपीरियंस शेयर किया है. ⊙

कोलकाता के शख्स ने लता के गाने पर दी ऐसी परफॉर्मेंस, रो पड़ा सोशल मीडिया

जुबां खामोश, पर बोल उठीं आंखें

आज के समय में सोशल मीडिया पर हर दिन हजारों वीडियो वायरल होते हैं, लेकिन कुछ वीडियो ऐसे होते हैं जो सीधे दिल को छू जाते हैं ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसमें कोलकाता के रहने वाले एक व्यक्ति ने बिना ज्यादा बोले, सिर्फ अपनी आंखों के जरिए गहरी भावनाएं व्यक्त कर दीं. इस वायरल वीडियो में कोलकाता के बिभु नाम के एक शख्स ने मशहूर पुराने गीत हम तेरे प्यार में सारा आलम पर लिप-सिंक किया है.

यह गीत अपनी भावनाओं और गहराई के लिए पहले से ही लोगों के दिलों में खास जगह रखता है. इस गाने को महान गायिका लता मंगेशकर ने अपनी आवाज से अमर

बना दिया था. इस वीडियो में बिभु ने जिस अंदाज में इसे प्रस्तुत किया, उसने लोगों को हैरान कर दिया.

वह कैमरे के सामने शांत बैठकर बिना किसी बड़े एक्सप्रेशन या ओवर एक्टिंग के केवल अपनी आंखों और हल्की-फुल्के एक्सप्रेशन के जरिए गाने की हर लाइन को महसूस कराते हैं. बताया जा रहा है कि यह गाना एक कवर वर्जन है, जिसे एक यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया था. बिभु ने इसी कवर पर लिप-सिंक करते हुए इस गाने को गाया है. उनकी आंखों में नमी, चेहरे की सादगी और भावनाओं की गहराई इतनी साफ दिखाई देती है कि देखने वाला खुद भावुक हो जाता है. यह गाना साल 1963 की फिल्म दिल एक मंदिर का है. ⊙

एसी सर्विस से मना करने वाले शख्स ने जीता दिल

300 रूपये के लिए जान क्यों दांव पर लगाऊं?

सोशल मीडिया पर एक एसी टेक्नीशियन का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक खतरनाक जगह पर लगे एसी की सर्विस करने से साफ मना कर देता है. यह मामला खारघर की एक ऊंची बिल्डिंग का बताया जा रहा है, जहां 23वीं मंजिल पर एसी का आउटडोर यूनिट बालकनी से काफी दूर बाहर की तरफ लगाया गया है. वीडियो में टेक्नीशियन लोगों को समझाता है कि वह इस काम को क्यों नहीं कर सकता. वह दिखाता है कि एसी यूनिट इतनी खतरनाक जगह पर लगी है कि वहां तक पहुंचना आसान नहीं है. अगर कोई व्यक्ति वहां सर्विस करने जाता है, तो गिरने का खतरा बहुत ज्यादा है. टेक्नीशियन कहता है

कि सिर्फ 300–400 रुपये के लिए कोई अपनी जान खतरे में क्यों डालेगा. वह आगे कहता है कि अगर काम करते समय कोई हादसा हो जाता है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? उसके मुताबिक, इस तरह के काम में कोई भी सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए हैं, जैसे कि सेफ्टी बेल्ट, मजबूत प्लेटफॉर्म या अन्य जरूरी उपकरण. ऐसे में वहां काम करना बहुत ही खतरनाक है. ⊙

मेकिंग का वीडियो देख उड़ जाएंगे होश

आखिर कैसे बनती है 1 रूपये वाली चुस्की?

जैसे ही गर्मी ने अपना रंग दिखाना शुरू किया, सोशल मीडिया पर भी उसी के हिसाब से वीडियो शेयर होने लगे हैं. कहीं मिट्टी पर पापड़ सेंकने वाली महिला के वीडियो आ रहे हैं तो कहीं कोल्ड ड्रिंक से जुड़े वीडियो शेयर हो रहे हैं. इसी बीच, सोशल प्लेटफॉर्म पर 1 रुपये वाली चुस्की के वीडियो भी शेयर हो रहे हैं, जिनमें दिखाया जा रहा है कि आखिर इसे कैसे बनाया जाता है. इन वीडियो पर कई लोग कमेंट कर रहे हैं कि इन वीडियो ने बचपन की याद दिला दी जबकि कुछ लोग इस चुस्की को बनाए जाने के तरीके पर बात कर रहे हैं. वीडियो में दिख रहा है कि इन्हें बहुत ही गंदे तरीके से बनाया जा रहा है. तो आज इन वीडियो के जरिए देखते हैं कि आखिर 1 रुपये वाली चुस्की कैसे बनती है. वायरल हो रहे वीडियो

सोशल मीडिया पर चुस्की पैकेट्स के वीडियो वायरल हो रहे हैं.

में दिखाया जा रहा है कि इन चुस्की में सिर्फ कैमिकल कलर मिलाए जा रहे हैं. पहले पानी में कलर घोला जाता है और फिर कलर डालकर इसे तैयार किया जा रहा है. एक मिल्क चुस्की वाले वीडियो में दिख रहा है कि पहले दूध को गर्म किया जा रहा है और फिर एक खास तरह के कलर से एक घोल तैयार किया जा रहा है. इसके बाद पानी से साथ उसमें वो कलर मिलाया जा रहा है और उन्हें पैक कर दिया जा रहा है. वहीं, एक वीडियो में दिख रहा है कि पानी में चीनी डालकर गर्म किया जा रहा है और फिर उसमें कलर मिलाकर अलग बाल्टियों में भरा जा रहा है. इसके बाद उन्हें छोटी प्लास्टिक की थैलियों में भरा जा रहा है और मशीन के जरिए पैक किया जा रहा है. ⊙

कमजोर दिल वाले दूर रहें! प्राइम वीडियो पर हिंदी में रिलीज हुई डरावनी फिल्म 'पेची'

ओटीटी पर कई तरह की हॉरर फिल्में अपने देखी होंगी, जिसमें से कुछ आज भी आपको याद हैं। हालांकि, आज भी कुछ दर्शक ऐसे हैं, जो आम हॉरर कंटेंट की जगह लोक-हॉरर फिल्में देखना पसंद करते हैं। लोक-हॉरर फिल्में ज्यादा परेशान करने वाली लगती हैं, क्योंकि वे पुरानी परंपराओं, अंधविश्वासों और अलग-थलग समुदायों से जुड़ी होती हैं। सिर्फ अचानक डराने

वाले दृश्यों पर निर्भर रहने के बजाय ये कहानियां रीति-रिवाजों, लोक-कथाओं और पीढ़ियों से चली आ रही इंसानी मान्यताओं के जरिए डर पैदा करती हैं। हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं, उस लोक-हॉरर कहानी की शुरुआत एक शांत गांव या दूरदराज के इलाके से होती है, जहां बाहर से आने वाले लोगों को कुछ अजीब सा महसूस होता है। हम बात कर रहे हैं, लोक-हॉरर फिल्म 'पेची' की। इस फिल्म में जैसे-जैसे राज खुलते हैं, हॉरर कहानी संस्कृति और इतिहास से गहराई से जुड़ता चला जाता है, जिससे यह और भी ज्यादा डरावनी और बेचैन करने वाली लगती है। रहस्य, प्रकृति और प्राचीन डर का यह मेल ही लोक-हॉरर को इतना दिलचस्प और यादगार बनाता है कि आप इसे देख कई दिनों तक सो नहीं पाएंगे। यह फिल्म आपको सचमुच मौत का एहसास करा देगी। 'पेची' एक लोक-भयभीत फिल्म है जो गांव की लोककथाओं, घने जंगलों और विचलित कर देने वाले दृश्यों के माध्यम से एक भयानक और रहस्यमय वातावरण का निर्माण करती है। फिल्म में तगड़ा सस्पेंस है, जिसके बारे में आप अंदाजा भी नहीं लगा सकते हैं और इसका बैकग्राउंड स्कोर डरावने माहौल को और भी खौफनाक बना देता है। अगर आप पौराणिक कथाओं और अलौकिक तत्वों से भरपूर दक्षिण भारतीय हॉरर फिल्में देखने के शौकीन हैं तो यह फिल्म आपका ध्यान खींचने के लिए काफी है। 'पेची' एक तमिल लोककथा-आधारित हॉरर-थ्रिलर है, जिसकी कहानी ट्रेकर्स के एक ग्रुप के इर्द-गिर्द घूमती है। ये ट्रेकर्स गलती से एक प्रतिबंधित जंगल में गलती से एंट्री करते हैं और अनजाने में एक दुष्ट और प्राचीन चुड़ैल को जगा देते हैं। यह दुष्ट शक्ति तबाही मचाने और अमर जीवन प्राप्त करने के लिए इंसानी बलि लेने पर आमादा है। फिल्म का अंत छह मानव बलि पूरी होने और पेची के खाते में शेष सात बलि के साथ होता है। गायत्री शंकर, बाला सरवनन, देव रामनाथ और प्रीति नेदुमारन की ये फिल्म बी.रामचंद्रन द्वारा लिखित और निर्देशित है। गोकुल बेनॉय और शेख मुजीब द्वारा निर्मित है। ये फिल्म तमिल में 2 अगस्त, 2024 को रिलीज हुई थी, लेकिन अब प्राइम वीडियो पर हिंदी में भी देख सकते हैं।

लखनऊ में हाईकोर्ट के आदेश पर बड़ी कार्रवाई वकीलों के अवैध चैंबर हटाए गए

हाईकोर्ट के निर्देश के बाद लखनऊ नगर निगम ने कैसरबाग में पुराने हाईकोर्ट परिसर के पास लगभग 200 अवैध कब्जों को हटाने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल किया, जिनमें वकीलों के चैंबर भी शामिल थे।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

आज रविवार सुबह नौ बजे से लखनऊ के कैसरबाग इलाके में स्थित पुराने हाईकोर्ट भवन के चारों तरफ बने अवैध कब्जों को हटाने की बड़ी कार्रवाई शुरू की गई। इस कार्रवाई का विरोध करने के लिए बड़ी संख्या में वकील इकट्ठा हुए और प्रदर्शन करने लगे, जिन्हें मौके पर मौजूद भारी पुलिस बल ने खदेड़ दिया। वकीलों की तरफ से किसी भी बड़े विरोध या हंगामे से निपटने के लिए प्रशासन ने पहले से ही पर्याप्त पुलिस बल का पुख्ता इंतजाम किया हुआ था। यह पूरी कार्रवाई हाईकोर्ट के सख्त आदेश पर की जा रही है। हटाए जा रहे इन अवैध कब्जों में सबसे ज्यादा संख्या खुद वकीलों के अवैध चैंबरों की ही है। शुरुआत में नगर निगम ने कोर्ट को केवल 72 अवैध कब्जाधारियों की सूची सौंपी थी, लेकिन बाद में जब दोबारा सर्वे कराया गया तो अवैध कब्जों की संख्या बढ़कर करीब 200 पाई गई।

सर्वे के अनुसार, पुराने हाईकोर्ट और कचहरी के आसपास के इलाकों में अवैध कब्जे इस प्रकार बांटे गए थे, सुरेंद्र नाथ रोड पर 72 अवैध कब्जे, स्वास्थ्य भवन से कलेक्ट्रेट चौराहा और चकबस्त रोड तक 47 अवैध कब्जे, राजस्व परिषद से स्वास्थ्य भवन तक 25 अवैध कब्जे और नाले के ऊपर 50 से अधिक अवैध चैंबर और दुकानें। नगर निगम ने इस कार्रवाई से पहले 16 मई तक सभी को कब्जे हटाने का नोटिस दे दिया था और अवैध निर्माण पर लाल निशान भी लगा दिए थे। इस सख्ती को देखते हुए कई वकीलों ने कार्रवाई से पहले ही खुद अपने चैंबरों से जालियां और सामान हटाना शुरू कर दिया था। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजीव भारती की बेंच ने यह आदेश सुनाया है। यह फैसला अधिवक्ता अनुराधा सिंह, अधिवक्ता देवांशी श्रीवास्तव और उनकी माता अरूणिमा श्रीवास्तव द्वारा दायर की गई एक याचिका पर सुनवाई के बाद आया। इस याचिका में शिकायत की गई थी कि कचहरी रोड पर अवैध कब्जों की आड़ में लगातार अराजकता और अव्यवस्था फैल रही है। इससे पहले नगर निगम ने यह बहाना बनाकर कार्रवाई टाल दी थी कि बिना पर्याप्त पुलिस बल के वकीलों के कब्जे हटाना मुमकिन नहीं है। इस पर अगली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने जिला प्रशासन को तुरंत पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कोर्ट ने प्रशासन को सख्त हिदायत दी है कि वह 25 मई को होने वाली अगली सुनवाई में इस पूरी कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट कोर्ट के सामने पेश करे।

लखनऊ जंक्शन पर 70 यात्रियों के लिए अस्थायी प्रतीक्षालय शुरू

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ जंक्शन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए अस्थायी प्रतीक्षालय रविवार से शुरू कर दिया गया है। इसकी क्षमता 70 यात्रियों की है। प्रतीक्षालय पूरी तरह से निःशुल्क रहेगा। इसमें बैठने की व्यवस्था के साथ शौचालय, चार्जर आदि सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी। बीते बृहस्पतिवार को पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के लखनऊ जंक्शन रेलवे स्टेशन पर बने महिला प्रतीक्षालय की छत उस वक्त गिर गई थी, जब इसके विस्तार के लिए दीवार व पिलर तोड़े जा रहे थे। छत गिरने से हड़कंप मच गया। हालांकि कोई यात्री चोटिल नहीं हुआ। उस वक्त महिला प्रतीक्षालय व प्रथम तल पर बने एसी वेटिंग रूमों में करीब दो सौ यात्री थे, जिन्हें सकुशल सुरक्षित जगह पर पहुंचाया गया था। इस हादसे के बाद तीनों प्रतीक्षालयों को बंद कर दिया गया था। इस मुद्दे को अमर उजाला लखनऊ संस्करण के माई सिटी में प्रमुखता से उठाया गया था कि प्रतीक्षालय बंद होने से यात्रियों के पास बैठने की व्यवस्था नहीं है, उन्हें प्लेटफॉर्म पर ट्रेनों का इंतजार करना पड़ रहा है। इसी क्रम में पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन ने रविवार को अस्थायी प्रतीक्षालय शुरू कर दिया है। जनसंपर्क अधिकारी महेश गुप्ता ने बताया कि प्लेटफॉर्म नंबर छह पर ऐरावत हेरिटेज इंजन के पास अस्थायी रूप से रेलयात्रियों के लिए अस्थायी प्रतीक्षालय बनाया गया है। इसकी क्षमता 70 यात्रियों की है। प्रतीक्षालय की सुविधा निःशुल्क रहेगी। इसमें बैठने की व्यवस्था के साथ टॉयलेट, मोबाइल चार्जर, पंखे, मेज़ आदि सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

योगी मंत्रिमंडल में विभाग बंटवारे पर फंसा पेंच मंत्रियों को करना होगा इंतजार

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश में एक हफ्ते पहले योगी मंत्रिमंडल में शामिल किए गए और पदोन्नति पाए मंत्रियों को विभाग हासिल करने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ेगा। विभाग बंटवारे पर केंद्रीय नेतृत्व और राज्य नेतृत्व के बीच सहमति नहीं बनने के बाद अब इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की स्वदेश वापसी के बाद ही बीच का रास्ता निकल सकता है। हालांकि, सोमवार को रायपुर में गृह मंत्री अमित शाह और सीएम योगी आदित्यनाथ की मध्य क्षेत्रीय बैठक में एक और मुलाकात की संभावना है। मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के सीएम भी हिस्सा लेंगे। मंत्रियों के विभागों के बंटवारे पर पेच फंसने के कारण निगम और बोर्डों में खाली पड़े पदों और प्रदेश अध्यक्ष की नई टीम की तैयार सूची भी अटक गई है। सूत्रों के मुताबिक बीते 10 मई को मंत्रिमंडल विस्तार के बाद विभागों के बंटवारे के मामले में बीच का रास्ता नहीं निकल पा रहा है। बृहस्पतिवार को सीएम योगी की गृह मंत्री शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात के बाद मंत्रियों के विभागों के बंटवारे की घोषणा होने की उम्मीद जताई जा रही थी। सूत्रों का कहना है कि कुछ विभागों को लेकर सहमति नहीं बन पाई है। ऐसे में इस मामले में नए सिरे से विमर्श होगा। चूंकि गृह मंत्री शाह रविवार से तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर रहेंगे और प्रधानमंत्री 20 मई को विदेश दौरे से वापस का लौटेंगे। ऐसे में अब 20 मई के बाद ही विभागों के बंटवारे का फार्मूला निकलेगा। पहले तय किया गया था कि मंत्रिमंडल विस्तार के तत्काल

बाद निगम और बोर्ड के खाली पदों को भरने के साथ प्रदेश अध्यक्ष की नई टीम की तत्काल घोषणा कर दी जाएगी। इसके लिए व्यापक विमर्श के बाद सूची भी तैयार कर ली गई थी। यहां तक की दर्जा प्राप्त मंत्रियों की भी सूची तैयार थी। चूंकि मंत्रियों के विभागों के चंटवारे का मामला अटक गया, इसलिए पूर्व योजना के मुताबिक निगम-बोर्ड में खाली पदों को भरने और प्रदेश की नई टोक की घोषणा भी टाल दी गई।

लखनऊ में पानी की टंकी पर चढ़ी युवती

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के गोमती नगर इलाके में एक युवती पानी की टंकी पर चढ़ गई। आसपास के लोगों ने उसे देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने करीब 4 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद समझा-बुझाकर उसे नीचे उतारा। इंस्पेक्टर गोमती नगर ब्रजेश चंद्र तिवारी के मुताबिक, अयोध्या निवासी युवती ने लखीमपुर के युवक से लव मैरिज की थी। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। जिसके कारण युवती रविवार सुबह करीब 9 बजे विनीत खंड- 5 स्थित पानी टंकी पर चढ़ गई। युवती टंकी से कूदने की धमकी देने लगी। इस पर वहां से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन नीचे नहीं उतरी। इसके बाद चौकी प्रभारी गुरप्रीत कौर, दीपक, सूर्या, विपिन और फायर ब्रिगेड की टीम टंकी के ऊपर चढ़ी। ऊपर ही युवती को समझने का प्रयास किया गया, लेकिन वह नीचे उतरने के लिए

नहीं तैयार हुई। कई घंटे बीतने पर उसे वहीं पर खाना और पानी दिया गया। इस दौरान उसे काफी समझाया गया। करीब 4 घंटे बाद युवती पुलिसकर्मियों की बात मानकर नीचे उतरी। उसके बाद पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया। युवती जब नीचे उतरी, तो वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। करीब डेढ़ सौ लोग युवती को देखने के लिए जुट गए। पुलिस को उन्हें हटाते हुए युवती को गाड़ी में बैठाना पड़ा। युवती को गाड़ी में बैठाकर पुलिस रवाना हुई।

26 मई को मानसून के केरलम आगमन की संभावना

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश में मौसम दिन-ब-दिन तल्ख होता जा रहा है। शनिवार को पूरे प्रदेश में तापमान में वृद्धि दर्ज की गई। 44.8 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ बांदा प्रदेश में सबसे गर्म स्थान रहा। मौसम विभाग ने प्रदेश में यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं दक्षिणी हिस्से के कुछ जिलों में ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है। फिलहाल तापमान से राहत की उम्मीद नहीं है। अगले 4-5 दिनों में तापमान में 2 से 4 डिग्री की बढ़ोतरी के आसार हैं। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि झांसी में 44.1 डिग्री, प्रयागराज में 44 डिग्री, उरई 43.4, हमीरपुर में 43.2 और आगरा में 43 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। उन्होंने बताया प्रदेश के दक्षिणी भाग से लू का एक और दौर शुरू होगा जो 19-22 मई के दौरान अन्य स्थानों तक पहुंचेगा। दक्षिणी हिस्से में कहीं-कहीं भीषण लू चलने की आशंका है। इसके बाद तापमान में आंशिक कमी आने की भी संभावना है। उन्होंने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून ने शनिवार को दक्षिण-पूर्वी अरब सागर, दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर के कई हिस्सों, संपूर्ण निकोबार द्वीप समूह और श्री विजयपुरम सहित अंडमान द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में प्रवेश किया है। चार दिनों की मॉडल त्रुटि के साथ दक्षिण-पश्चिम मानसून के 26 मई को केरलम आगमन की संभावना है।

NTA को बंद करने की मांग NEET परीक्षा रद्द होने पर लखनऊ में छात्रों का प्रदर्शन

लखनऊ में रविवार को परिवर्तन चौक पर विरोध प्रदर्शन हुआ। NEET परीक्षा रद्द होने और पेपर लीक से नाराज नेशनल स्टूडेंट्स एंड यूथस फ्रंट (NSYF) ने परिवर्तन चौक से कलेक्ट्रेट तक विरोध मार्च निकालने का प्रयास किया, मगर पुलिस कर्मियों ने परिवर्तन चौक पर ही रोक दिया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने NTA (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने NTA को ब्लैक लिस्ट करके मुकदमा दर्ज करने की मांग की। प्रदर्शन में शामिल अनिल राज कोरी ने कहा कि परीक्षा रद्द होने से और पेपर लीक की वजह से छात्रों का भविष्य खतरे में है। इसके लिए सीधे तौर पर NTA जिम्मेदार है। सरकार और जिम्मेदार अधिकारियों के लिए यह कह देना कि पेपर रद्द करते हैं, बहुत आसान है। यह खबर सुनकर छात्रों के ऊपर जो प्रभाव पड़ता है इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। अनिल राज ने कहा कि जब NTA सफल और पारदर्शी परीक्षा कराने में विफल है तो उसे बार बार ये जिम्मेदारी क्यों दी जा रही है। पिछली बार पेपर लीक हुआ था तो उस समय NTA को क्यों नहीं ब्लैक लिस्ट किया गया

था?

दोबारा इस एजेंसी को इतनी बड़ी जिम्मेदारी क्यों सौंपी गई? हमारी मांग है कि तत्काल NTA को बंद किया जाए और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा दे देना चाहिए। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा कि पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने से छात्र मानसिक रूप से बीमार हो गए हैं। हम भी एक छात्र हैं और छात्रों का दर्द समझते हैं। पेपर लीक और पेपर रद्द होने से आहत होकर लखीमपुर के एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली यह बेहद दुखद मामला है। अब तक 89 बार पेपर लीक हो चुका है। छात्रों के अंदर सहनशक्ति खत्म होती जा रही है आत्मविश्वास टूट रहा है। उन्हें लग रहा है कि भविष्य अंधकार में जा रहा है।

उन्नाव के उद्योगों में हफ्ते में दो दिन 'वर्क फ्रॉम होम' 63 हजार लीटर ईंधन बचाने की तैयारी

उन्नाव में योगी सरकार के निर्देश पर 2700 औद्योगिक संस्थानों के 21 हजार कार्यालय कर्मचारी सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम करेंगे। इससे हर सप्ताह 63 हजार लीटर ईंधन की बचत होगी, जो ऊर्जा संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

जिले के बड़े व मध्यम लगभग 2700 औद्योगिक संस्थानों के कार्यालयों में काम करने वाले 21 हजार कर्मचारी सप्ताह में दो दिन वर्क फ्राम होम रहेंगे। प्रत्येक कर्मचारी औसतन डेढ़ लीटर ईंधन कार व बाइक आदि से फैक्ट्री आने-जाने में खर्च करते हैं। इस तरह ये कर्मी दो दिनों में लगभग 63,000 लीटर ईंधन बचाएंगे। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आइआइए) पदाधिकारियों ने इसके लिए बैठक में संस्थानों के प्रबंधन से बात करने की तैयारी कर ली है। बैठक के बाद यह व्यवस्था अगले सप्ताह लागू करने की तैयारी है। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) से आने वाले लगभग 500 कर्मचारियों को पूलिंग करने के लिए कहा गया है। जनपद के पांच औद्योगिक आस्थान में दही, बंथर, अकरमपुर, बांगरमऊ व सफीपुर औद्योगिक क्षेत्रों में 60 बड़े और 2686 मध्यम औद्योगिक संस्थान हैं। बड़े संस्थानों में लगभग 21 हजार व मध्यम में 10 हजार कर्मचारी कार्यालयों में काम करते हैं। इनमें 70 प्रतिशत कर्मचारी सप्ताह में दो दिन वर्क फ्राम होम रहेंगे। यह आंकड़ा निकालें तो लगभग 21 हजार होता है।लगभग 900 कर्मचारी ऐसे हैं जो कार से आते हैं, बाकी बाइक से। ज्यादातर उन्नाव जिले के ही हैं तो कुछ लखनऊ और कानपुर से भी आते हैं। अगर ये कर्मचारी दो दिन घर से ही काम करेंगे तो प्रतिदिन 31500 लीटर ईंधन का खर्च संस्थान तक आने-जाने में बचेगा। वैश्विक हालात, ऊर्जा बचत और संसाधनों के संतुलित उपयोग को लेकर प्रधानमंत्री की ईंधन को लेकर व्यक्त की गई सलाह पर सीएम योगी ने बड़े औद्योगिक संस्थानों, स्टार्टअप्स और अधिक कर्मचारियों वाली कंपनियों में सप्ताह में दो दिन वर्क फ्राम होम लागू करने की दिशा को लेकर एडवाइजरी जारी करने के निर्देश दिए हैं। वहीं सीएम के निर्देश पर अमल करने के लिए जनपदीय औद्योगिक विकास क्षेत्र के अधिकारी सक्रिय हैं। सबसे अधिक उद्यम संस्थान दही व बंथर औद्योगिक क्षेत्र के अंतर्गत हैं। वहीं पांचों औद्योगिक आस्थानाेंं से साल में चार से पांच हजार करोड़ का राजस्व सरकार को दिया जाता है। प्रदेश में सबसे अधिक स्लाटर हाउस व अंतरराष्ट्रीय ख्यातिलब्ध चर्म इकाइयां यही हैं। इन उद्यम इकाइयों के माध्यम से जनपद से हर साल लगभग 20 हजार करोड़ का निर्यात व आयात किया जाता है। आइआइए के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जीएन मिश्र ने बताया कि इस अच्छी पहल में जुड़ने को संस्थान हामी भर रहे हैं। इस निर्देश के दायरे में कार्यालय स्टाफ है। लेबर व मशीन चलाने वाले कर्मी नहीं हैं।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर स्लीपर बस ट्रेलर से टकरा गई

उन्नाव जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर रविवार सुबह छह बजे बांगरमऊ क्षेत्र के रघुरामपुर गांव के पास एक स्लीपर बस आगे चल रहे ट्रेलर से टकरा गई। हादसे में बस में सवार 23 यात्री घायल हो गए। यूपीडा टीम और पुलिस ने सभी को सीएचसी पहुंचाया। इनमें 13 को अधिक चोट होने से जिला अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे के वक्त बस में 40 यात्री थे। बस चालक मंजीत कुमार दिल्ली से करीब 40 यात्रियों को लेकर आजमगढ़ जा रहा था। सुबह करीब छह बजे भारी वाहन लेन में चल रहे ट्रेलर को ओवरटेक करने के दौरान बस अनियंत्रित होकर ट्रेलर में जा घुसी। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घायलों को एंबुलेंस की मदद से बांगरमऊ सीएचसी पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद 10 घायलों को घर भेज दिया गया, जबकि छह गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया। अन्य घायलों का उपचार जारी है। कोतवाल अखिलेश चंद्र पांडेय ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त बस को हटवाकर बांगरमऊ टोल प्लाजा पर खड़ा कराया गया है।

सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम करेंगे एम्पलाई

छोटे-बड़े लगभग 2700 औद्योगिक संस्थानों के कार्यालयों में काम करने वाले 21 हजार कर्मचारी सप्ताह में दो दिन वर्क फ्राम होम रहेंगे। प्रत्येक कर्मचारी औसतन डेढ़ लीटर ईंधन कार और बाइक आदि से आने-जाने में खर्च करता है। इस तरह ये कर्मी दो दिन में लगभग 63,000 लीटर ईंधन बचाएंगे। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आइआइए) ने इसके लिए संस्थानों के प्रबंधन से बात की है। यह व्यवस्था अगले सप्ताह से लागू करने की तैयारी है। साथ ही इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) से आने वाले लगभग 500 कर्मचारियों को पूलिंग करने के लिए भी कहा गया है। जिले में दही, बंथर, अकरमपुर, बांगरमऊ व सफीपुर औद्योगिक क्षेत्रों में 60 बड़े और 2640 मध्यम औद्योगिक संस्थान हैं। बड़े संस्थानों में लगभग 21 हजार व मध्यम में 10 हजार कर्मचारी कार्यालयों में काम करते हैं। इनमें 70 प्रतिशत कर्मचारी सप्ताह में दो दिन वर्क फ्राम होम रहेंगे। यह संख्या निकालें तो लगभग 21 हजार होता है। इनमें करीब 900 कर्मचारी ऐसे हैं, जो कार से आते हैं व बाकी बाइक का प्रयोग करते हैं। ज्यादातर उन्नाव जिले के ही हैं, कुछ लखनऊ व कानपुर से भी आते हैं। अगर ये कर्मचारी घर से ही काम करेंगे तो संस्थान तक आने-जाने का खर्च बचेगा। इससे एक दिन में 31,500 लीटर ईंधन बचा लेंगे। आइआइए के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जीएन मिश्र ने बताया कि इस अच्छी पहल में जुड़ने के लिए संस्थानों ने हामी भर ली है। आइआइए उन्नाव चैप्टर के चेयरमैन अरूण कुमार महेश्वरी ने बताया कि वर्तमान वैश्विक हालात, ऊर्जा बचत व संसाधनों के संतुलित उपयोग को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ईंधन को लेकर व्यक्त की गई सलाह के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़े औद्योगिक संस्थानों, स्टार्टअप व अधिक कर्मचारियों वाली कंपनियों में सप्ताह में दो दिन वर्क फ्राम होम लागू करने की एडवाइजरी जारी करने के निर्देश दिए थे, जिसके बाद जिले में औद्योगिक संस्थानों से जुड़े संगठन व अधिकारी इस दिशा में आगे बढ़े हैं।

बस स्टॉप के पास तेज रफ्तार वाहन की टक्कर

असोहा थानाक्षेत्र के अनवरपुर गांव निवासी बृजकिशोर (52) किराना की दुकान किए थे। शुक्रवार की शाम दुकान का सामान लेने साइकिल से पारा मोड़ गए थे। रात करीब 7:30 बजे लौटते समय मौरावां-मोहनलालगंज मार्ग पर संडोली मोड़ के पास बस स्टॉप के पास पीछे से वाहन ने टक्कर मार दी। इससे बृजकिशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। बेटे आशीष और मनीष ने कालूखेड़ा स्थित निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार कराने के बाद लखनऊ ट्रॉमा सेंटर लेकर गए। डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पति की मौत से पत्नी शीला, बेटा आशीष, मनीष और विकास बेहाल हैं। थानाध्यक्ष फूल सिंह ने बताया कि लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हुई है। वहीं शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। तहरीर आने पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

बच्चे को तमंचा लगाकर लूटपाट करने वाले बदमाश पुलिस मुठभेड़ में घायल

बच्चे को तमंचा लगाकर दंपती से नकदी-जेवर लूटने वाले दो बदमाशों की शनिवार रात पुलिस से मुठभेड़ हो गई। पैर में गोली लगने से दोनों बदमाश घायल हो गए। पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। फतेहपुर चौरासी के दर्शनिखेड़ा मजरा भड़सर नौशहरा निवासी भीमकुमार 13 मई को पत्नी दिव्या व पांच वर्षीय बेटे युवराज के साथ सफीपुर के दरौली में आयोजित मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होकर रात 10 बजे घर लौट रहे थे। फतेहपुर चौरासी क्षेत्र में बाइक सवार दो बदमाशों ने ओवरटेक करके रोक लिया और पांच साल के बच्चे युवराज के सीने में तमंचा लगा पत्नी के जेवर लूट लिए विरोध करने पर भीम कुमार से मारपीट भी की। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने स्वाट टीम की मदद से जांच शुरू की। शनिवार देर रात लगभग दो बजे पुलिस को मिट्ठूखेड़ा रेलवे क्रासिंग के पास कुछ संदिग्ध व्यक्तियों के मौजूद होने की जानकारी मिली। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की तो बदमाशों ने पुलिस पर फायर झोंक दिया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में पैर में गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए। बदमाशों ने अपने नाम राजीव कश्यप निवासी महुआ नहर थाना कोहना जनपद कानपुर नगर वर्तमान पता मुहल्ला गढ़ी थाना फतेहपुर चौरासी व गुड्डू उर्फ मुन्ना उर्फ सहराज निवासी बर्रा रसूलपुर थाना बरौर जनपद कानपुर देहात बताया है।

गोरखपुर में भाजपा प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ,

CM योगी बोले- राष्ट्र प्रथम की भावना से काम करें कार्यकर्ता

गोरखपुर में भाजपा के दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यकर्ताओं से राष्ट्रवाद और संगठन के मूल्यों को अपनाने की अपील की। उन्होंने भाजपा को दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बताया और कहा कि पार्टी ने विकास, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और सुशासन के जरिए नई पहचान बनाई है।

गोरखपुर में भारतीय जनता पार्टी के दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग का रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुभारंभ किया। सहजनवा विधानसभा क्षेत्र स्थित एक रिजॉर्ट में आयोजित इस कार्यक्रम में भाजपा के मंडल अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, ब्लॉक प्रमुख, नगर पंचायत अध्यक्ष, विधायक और कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रशिक्षण वर्ग 17 और 18 मई तक चलेगा, जिसमें लगभग 296 लोगों के शामिल होने की तैयारी है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है, जिसने 50 वर्ष से भी कम समय में केंद्र के साथ 22 राज्यों में अपने दम पर सरकार बनाई। उन्होंने कहा कि भाजपा ही ऐसा दल है जिसने हमेशा "राष्ट्र प्रथम, दल द्वितीय और व्यक्ति का हित अंतिम" की भावना को प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से संगठन के मूल्यों और आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पहचान अन्य दलों से अलग होनी चाहिए। अगर भाजपा कार्यकर्ता भी कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, आरजेडी, टीएमसी या डीएमके की तरह आचरण करने लगेंगे तो समाज सम्मान नहीं देगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत और भारतीयता को सम्मान देते हुए राष्ट्रवाद की भावना के साथ कार्य करना ही भाजपा की मूल पहचान है।सीएम योगी ने कहा कि भाजपा में परिवारवाद की राजनीति नहीं है। यहां एक सामान्य कार्यकर्ता भी राष्ट्रीय अध्यक्ष, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री बन सकता है। उन्होंने कहा कि जनसंघ और भाजपा के संस्थापकों ने जिस भारत का सपना देखा था, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वह साकार हो रहा है। उन्होंने कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने, अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण और महिलाओं के लिए तीन तलाक खत्म करने जैसे फैसलों को भाजपा सरकार की बड़ी उपलब्धियां बताया।मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार को भाजपा सरकार जमीन पर उतार रही है। शौचालय, आवास, स्वास्थ्य और अन्य योजनाओं के माध्यम से अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक स्थिरता और राष्ट्रवाद ही देश के विकास का आधार हैं।इस प्रशिक्षण वर्ग को 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी से भी जोड़कर देखा जा रहा है। प्रशिक्षण में बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, चुनावी रणनीति और कार्यकर्ताओं की भूमिका पर विशेष जोर दिया जाएगा। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कार्यकर्ताओं को ऑनलाइन टेस्ट भी पास करना पड़ा, जिसमें पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी से जुड़े सवाल पूछे गए।इससे पहले मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता की शिकायतों का त्वरित और निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा भू-माफियाओं और दबंगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

UP में सूरज का 'अटैक', पारा 45°C के करीब; 23 शहरों में लू का अलर्ट

यूपी में आंधी-बारिश थमने के साथ ही भीषण गर्मी पड़ने लगी है। पारा 45°C के करीब पहुंच गया है। रविवार सुबह से ज्यादातर शहरों में आसमान साफ है। तेज धूप निकली है। हवा की रफ्तार कम होने की वजह उमस का एहसास हो रहा है। कानपुर में सड़कों पर वाटर स्प्रिंकलर के जरिए पानी छिड़का जा रहा है। प्रयागराज की पुलिसलाइन अस्तबल में घोड़ों के लिए कूलर-पंखे लगाए गए हैं। गोरखपुर चिड़ियाघर में हाथी बार-बार नहा रहा है। मौसम विभाग ने आज 23 शहरों में हीटवेव (लू) का अलर्ट जारी किया है। दिन में धूप की तपिश गर्मी बढ़ाएगी। अगले 5 दिनों तक तापमान में इजाफा देखने को मिलेगा। 20 मई से गर्मी और सख्त तेवर दिखाएगी। प्रदेश के आधे से ज्यादा शहरों में लू चलेगी। बीते 24 घंटों की बात करें तो प्रदेश में कहीं भी बारिश नहीं हुई। बांदा लगातार 5वें दिन सबसे गर्म शहर रहा। अधिकतम तापमान 44.8°C रिकॉर्ड किया गया। बिजनौर सबसे ठंडा शहर रहा। जहां न्यूनतम तापमान 20.2°C रिकॉर्ड किया गया। मेरठ में सुबह से ही मौसम साफ है। तेज धूप खिली है। मई में पहली बार आज तापमान 40 डिग्री पार करेगा। सुबह भी तापमान 30 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया। 10-12 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चलने की उम्मीद है।

छठी क्लास के बच्चे की पिटाई की गई क्योंकि वह टीका लगाकर स्कूल गया

यूपी के कानपुर में एक छठी क्लास के बच्चे की इस बात पर पिटाई की गई क्योंकि वह स्कूल में टीका लगाकर आया था। इस घटना से गुस्साए लोगों ने स्कूल के सामने प्रदर्शन शुरू कर दिया और जमकर हंगामा किया। मौके की नजाकत को देखते हुए स्कूल मैनेजमेंट ने टीचर को नौकरी से निकाल दिया है। कानपुर के किदवई नगर इलाके से एक बेहद हैरान और विचलित करने वाला मामला सामने आया है। यहां के मदर टेरेसा स्कूल में कक्षा 6 के एक मासूम छात्र को सिर्फ इसलिए बेरहमी से पीट दिया गया, क्योंकि वह माथे पर तिलक लगाकर स्कूल पहुंचा था। इस घटना के बाद छात्र के परिजन और हिंदूवादी संगठनों में भारी आक्रोश है। मामला तब तूल पकड़ गया जब पीड़ित छात्र रोते हुए अपने घर पहुंचा और परिजनों को आपबीती बताई। छात्र के माता-पिता ने तुरंत स्कूल प्रबंधन से मुलाकात कर आरोपी टीचर हिबा फातिमा की शिकायत की। घटना की खबर फैलते ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) के कार्यकर्ता भारी संख्या में स्कूल के बाहर इकट्ठा हो गए। कार्यकर्ताओं ने स्कूल प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और परिसर के बाहर जमकर नारेबाजी की। इस दौरान नारेबाजी की आवाजें "स्कूल प्रशासन होश में आओ...", "भारत माता की जय...", "प्रिंसिपल मैडम कुर्सी छोड़ो-कुर्सी छोड़ो..." देर तक सुनाई देती रहीं। जब स्कूल की प्रिंसिपल काफी देर तक प्रदर्शनकारियों से मिलने बाहर नहीं आईं, तो कार्यकर्ताओं का गुस्सा और भड़क गया। आखिरकार, भारी दबाव के बीच कार्यकर्ताओं ने प्रिंसिपल को ज्ञापन सौंपकर आरोपी टीचर हिबा फातिमा को तुरंत बर्खास्त करने की मांग की। चौतरफा घिरते देख स्कूल मैनेजमेंट को झुकना पड़ा और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी शिक्षिका को नौकरी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। विद्यार्थी परिषद महानगर मंत्री सुधांशु त्रिपाठी ने कहा, "यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है कि सनातन संस्कृति के प्रतीक तिलक को लगाने पर एक मासूम बच्चे को इस तरह प्रताड़ित किया गया। शिक्षण संस्थानों में इस तरह की मानसिकता कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हमने स्कूल प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी थी। हमारी मांग पर आरोपी शिक्षिका को नौकरी से निकाल दिया गया है, लेकिन हम यह सुनिश्चित करेंगे कि भविष्य में किसी भी छात्र के साथ ऐसा धार्मिक भेदभाव न हो। इस घटना ने एक बार फिर स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा और उनके सांस्कृतिक अधिकारों पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।"

वर्दी पहनकर रील बनाई तो होगी कार्रवाई

यूपी में पुलिस के अफसर और जवान लगातार सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं। बड़े अफसरों की बार-बार चेतावनी के बावजूद उनकी रीलबाजी थम नहीं रही है। मुजफ्फरनगर में अभी 4 दिन पहले ही रील बनाने के आरोप में एक दरोगा और कॉन्स्टेबल को सस्पेंड कर दिया गया। इसके बाद शनिवार को STF चीफ और अपर पुलिस महानिदेशक (ADG) कानून-व्यवस्था अमिताभ यश ने सख्त आदेश जारी किया। उन्होंने साफ कहा है कि रीलबाज पुलिस अफसर और जवानों को बख्शा नहीं जाएगा। सोशल मीडिया पॉलिसी का उल्लंघन करने वाले पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई होगी। आदेश में कहा गया है- यूपी पुलिस के लिए 8 फरवरी, 2023 को 'सोशल मीडिया पॉलिसी' जारी की गई थी। इसके बावजूद सेवारत (सर्विस में मौजूद) और ट्रेनी (प्रशिक्षु) पुलिसकर्मी लगातार नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। वे सोशल मीडिया पर रील्स और अन्य माध्यमों से आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट कर रहे हैं। इससे न केवल उनका सरकारी काम प्रभावित हो रहा, पुलिस की गरिमा और छवि को भी गहरा धक्का लग रहा है। रील्स को लेकर पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह कहते हैं- अगर यही ट्रेंड रहा तो आने वाले दिनों में पूरी पुलिसिंग को बड़ा नुकसान होगा। जिम्मेदार अफसरों को चाहिए कि न सिर्फ नए आने वाले रंगरूटों को इसके नुकसान के बारे में बताएं, बल्कि जो लोग फोर्स में रह कर इस तरह की रीलबाजी कर रहे हैं, उन पर भी अंकुश लगाएं। पुलिसिंग एक तपस्या है।